IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, December 2025
Impact Factor: 7.67

सोशल मीडिया पर हिंदुत्व व राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति: युवाओं के बीच बदलती पहल

डॉ. प्रियंका पांडेय

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

समकालीन भारत में सोशल मीडिया ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति को युवाओं के बीच एक प्रमुख डिजिटल माध्यम बना दिया है। यह शोध पत्र 18-30 वर्ष के युवाओं पर केंद्रित है, जहां इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर) और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हिंदुत्व को सांस्कृतिक पुनरुत्थान और राष्ट्रवाद को डिजिटल योद्धाई के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि एल्गोरिदम-आधारित एको चैंबर्स ने ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया है, जहां युवा पुरुषों में 'मैनोस्फियर' और हिंदुत्व का संगम देखा जा रहा है, जो मिसोजिनी और इस्लामोफोबिया को बढ़ावा देता है।

शोध में मिश्रित विधि का उपयोग किया गया है: सोशल मीडिया कंटेंट एनालिसिस, सर्वे और साक्षात्कार। परिणाम दर्शाते हैं कि युवा अब पारंपरिक संगठनों से अधिक डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स और मीम्स से प्रभावित होते हैं, लेकिन इससे नफरत भाषण और सामाजिक बहिष्कार भी बढ़ा है। निष्कर्ष में डिजिटल साक्षरता और सकारात्मक राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह अध्ययन डिजिटल हिंदुत्व की बदलती गतिशीलता को समझने में योगदान देगा।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-30500U